फा. सं. 16015/1/2019-पीएमआई
भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग
*****

शास्त्री भवन, नई दिल्ली
दिनांक:20अगस्त, 2020

कार्यालय ज्ञापन

विषय: मंत्रिमंडल के लिए माह जुलाई, 2020 के मासिक सार के संबंध में।

अधोहस्ताक्षरी को माह जुलाई, 2020 के संबंध में उर्वरक विभाग का मासिक सार एतदद्वारा सूचनार्थ परिचालित करने का निदेश हुआ है।

इसे सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से जारी किया जाता है।

जोहन टोपनो

(जोहन टोपनो)
उप सचिव, भारत सरकार
दूरभाष: 011-23388064

सेवा में

1. मंत्रिपरिषद के सभी सदस्य

प्रतिलिपि :

1. भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों के सचिव
2. निदेशक, मंत्रिमंडल सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली-110004
3. सचिव (उर्वरक) के वरिष्ठ प्रधान निजी सचिव
4. एनआईसी को उर्वरक विभाग की वेबसाइट पर अपलोड करने के लिए।

विषय: माह जुलाई, 2020 के संबंध में उर्वरक विभाग का मासिक सार।

1. माह के दौरान समग्र उत्पादन निष्पादन:

(आंकड़े 'लाख मी.टन' में)

उत्पाद का नाम	माह के दौरान उत्पादन	इस माह तक संचयी उत्पादन
यूरिया	21.80	82.18
डीएपी	3.29	12.66
अमोनियम सल्फेट (ए/एस)	0.68	1.93
मिश्रित उर्वरक	8.12	25.95
सिंगल सपर फॉस्फेट	4.70	17.02

स्रोत : mfms.nic.in 06.08.2020 की स्थिति के अनुसार

2. माह के दौरान उर्वरकों की आकलित आवश्यकता, उपलब्धता और बिक्री:

(आंकड़े 'लाख मी.टन' में)

उत्पाद का नाम	आकलित आवश्यकता	उपलब्धता	बिक्री
यूरिया	35.53	96.88	50.28
डीएपी	9.11	47.82	14.64
एमओपी	4.36	14.71	3.60
मिश्रित	11.26	47.84	16.55

आंकड़ों का स्रोत डैशबोर्ड है।

3. माह के दौरान आयातित तैयार उर्वरकों का ब्यौरा:

उत्पाद का नाम	मात्रा 'लाख मी.टन' में
यूरिया	5.24
कृषि उपयोग हेतु एमओपी	3.56
डीएपी	7.00
एनपीके	0.80

4. एफसीआईएल/एचएफसीएल की बंद यूनिटों की माह जुलाई, 2020 के दौरान पुनरुद्धार की स्थिति:

(क) रामागुण्डम यूनिट का पुनरुद्धार:

i. परियोजना के विषय में:

मंत्रिमंडल ने दिनांक 04.08.2011 को आयोजित अपनी बैठक में नामित पीएसयूज के संयुक्त उद्यम का गठन करके 1.27 एमएमटीपीए क्षमता के गैस-आधारित उर्वरक संयंत्रों की स्थापना द्वारा नामांकन आधार पर एफसीआईएल की रामागुण्डम इकाई के पुनरुद्धार को अनुमोदन प्रदान किया था। तदनुसार, रामागुण्डम फर्टिलाइजर्स एण्ड केमिकल्स लिमिटेड (आरएफसीएल) के रूप में एक संयुक्त उद्यम कंपनी निगमित की गई थी। एनएफएल और ईआईएल प्रत्येक की इक्विटी 26% है और एफसीआईएल की इक्विटी 11% है। इसके अतिरिक्त, आरएफसीएल में तेलंगाना राज्य सरकार की इक्विटी 11%, गेल की 14.3% और एचटीएएस कंसोर्टियम की 11.7% इक्विटी है। सचिव (उर्वरक) की अध्यक्षता में की जा रही मासिक समीक्षा बैठकों के माध्यम से उर्वरक विभाग (डीओएफ) द्वारा परियोजना गतिविधियों की गहन निगरानी की जाती है। इसके अतिरिक्त, सीईओ, नीति आयोग ने भी दिनांक 30.07.2020 को परियोजना की प्रगति की समीक्षा की।

ii. वृद्धिशील प्रगति:

क) जून, 2020 तक समग्र प्रगति 99.63% है।

ख) जुलाई, 2020 के दौरान वृद्धिशील प्रगति 0.02% है।

ग) जुलाई, 2020 तक समग्र प्रगति 99.65% है।

घ) इस समय यह परियोजना चालू किए जाने से पूर्व/चालू किए जाने के चरण में है।

iii. **माह के दौरान की उपलब्धियां:**

- द्वितीयक रिफॉर्मर कैटालिस्ट की लोडिंग दिनांक 15.06.2020 को पूरी की गई और फाइनल बाक्स-अप दिनांक 02.07.2020 को किया गया।
- दिनांक 01.07.2020 को वीएफडी मोटर्स के साथ आईडी/एफडी बैलेंस ड्राफ्ट सफलतापूर्वक किया गया।
- दिनांक 04.07.2020 को एचटीईआर कैटालिस्ट लोडिंग पूरी की गई।
- अमोनिया भण्डारण टैंक- भण्डारण टैंकों को प्रारम्भ करने के लिए दिनांक 04.07.2020 को कार्यस्थल पर पहला अमोनिया टैंकर प्राप्त हुआ।
- दिनांक 10.07.2020 को एलटी रिएक्टर कैटालिस्ट लोडिंग पूरी की गई।
- दिनांक 12.07.2020 को एचआरएसजी एल्कली बॉयल आउट पूरा किया गया।
- दिनांक 16.07.2020 को पीएसी कॅपल रन सफलतापूर्वक किया गया।
- दिनांक 24.07.2020 को आईजीजीयू नाइट्रोजन जनरेशन संयंत्र शुरू हुआ।
- दिनांक 29.07.2020 को एचआरएसजी स्टीम ब्लोइंग पूरी की गई।
- दिनांक 04.08.2020 को नाइट्रोजन ब्लोअर सफलतापूर्वक प्रारम्भ हुआ।

(ख) तलचर यूनिट का पुनरुद्धार:

i. **परियोजना के बारे में**

मंत्रिमंडल ने दिनांक 04.08.2011 को आयोजित अपनी बैठक में नामित पीएसयूज के संयुक्त उद्यम का गठन करके 1.27 एमएमटीपीए क्षमता वाले गैस आधारित उर्वरक संयंत्रों की स्थापना द्वारा नामांकन आधार के माध्यम से एफसीआईएल की तलचर यूनिट के पुनरूद्धार को अनुमोदन प्रदान किया था। तदनुसार, तलचर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (टीएफएल) के रूप में एक संयुक्त उद्यम कंपनी निगमित की गई थी। टीएफएल में गेल, आरसीएफ और सीआईएल प्रत्येक की इक्विटी 31.85% और एफसीआईएल की इक्विटी 4.45% है। टीएफएल संयंत्र कोयला गैसीकरण प्रौद्योगिकी पर आधारित है। सचिव (उर्वरक) की अध्यक्षता में आयोजित की जा रही मासिक समीक्षा बैठकों के माध्यम से उर्वरक विभाग द्वारा परियोजना गतिविधियों की गहन निगरानी की जा रही है। इसके अतिरिक्त, सीईओ नीति आयोग ने भी दिनांक 30.07.2020 को परियोजना की प्रगति की भी समीक्षा की।

ii. **वृद्धिशील प्रगति**:

क) वर्तमान में परियोजना की केवल परियोजना-पूर्व गतिविधियां चालू हैं तथा कार्यस्थल पर परियोजना गतिविधियों के शीघ्र शुरू होने की संभावना है। केवल माह जुलाई, 2020 की वृद्धिशील प्रगति और परियोजना-पूर्व कार्यों (कार्यस्थल कोटि-निर्धारण , निर्माण बिजली और जल, सड़क एवं पुलिया और कुछ नए भवनों का नवीकरण) की संचयी प्रगति निम्नलिखित है:-

- जून, 2020 तक समग्र प्रगति 61.54% है।

- जुलाई, 2020 के दौरान वृद्धिशील प्रगति 1.32% है।
- जुलाई, 2020 तक समग्र प्रगति 62.86% है।

ख) प्रमुख एलएसटीके कांट्रेक्टर ने कार्यस्थल पर केवल मृदा जांच प्रारम्भ की है। कार्यस्थल पर प्रमुख गतिविधियां अभी शुरू होनी बाकी हैं।

ग) टीएफएल ने दिनांक 17.07.2020 के पत्र के द्वारा सूचित किया है कि एयर प्रोडक्ट ने टोलिंग संरचना पर या एपी द्वारा प्रमुख स्वामित्व हिस्सेदारी के साथ एसपीवी के गठन द्वारा टीएफएल से बीओओ आधार पर टीएफएल को अधिकार में लेने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। इस संबंध में संयुक्त सचिव (पीएस) द्वारा अध्यक्ष को भेजे गए अ.शा. पत्र दिनांक 27.07.2020 के द्वारा यह सूचित किया गया था कि टीएफएल वर्तमान प्रस्ताव पर कार्रवाई कर सकता है और कानूनी एवं तकनीकी व्यावसायिक मूल्यांकन के आधार पर प्रस्ताव पर निर्णय/विचार कर सकता है।

घ) उर्वरक विभाग द्वारा विशेष रूप से टीएफएल के लिए यूरिया नीति तैयार करने के संबंध में एक प्रस्ताव पर सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है।

ड.) टीएफएल परियोजना के सितम्बर, 2023 तक चालू किए जाने की संभावना है।

(ग) <u>गोरखपुर, सिंदरी और बरौनी यूनिटों का पुनरुद्धार:</u>

<u>परियोजना के बारे में</u>

मंत्रिमंडल ने दिनांक 13.07.2016 को आयोजित अपनी बैठक में एफसीआईएल की गोरखपुर और सिंदरी यूनिटों तथा एचएफसीएल की बरौनी यूनिट का नामित पीएसयूज का एक संयुक्त उद्यम तैयार करके नामांकन आधार के माध्यम से पुनरुद्धार किए जाने को अनुमोदन प्रदान किया था। तदनुसार, हिदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लि. (एचयूआरएल) के रूप में एक संयुक्त उद्यम कंपनी निगमित की गई थी। एनटीपीसी, आईओसीएल और सीआईएल प्रत्येक की इक्विटी 29.67% है जबकि एफसीआईएल के संबंध में यह 10.99% है। एचयूआरएल, गोरखपुर, सिंदरी और बरौनी में 1.27 एमएमटीपीए क्षमता प्रत्येक की तीन गैस आधारित यूरिया विनिर्माण यूनिटों की स्थापना कर रहा है। सचिव (उर्वरक) की अध्यक्षता में आयोजित की जा रही मासिक समीक्षा बैठकों के माध्यम से उर्वरक विभाग द्वारा परियोजना गतिविधियों की गहन निगरानी की जाती है। इसके अतिरिक्त, सीईओ नीति आयोग ने भी दिनांक 30.07.2020 को परियोजना की प्रगति की समीक्षा की।

<u>जुलाई, 2020 तक की वृद्धिशील प्रगति</u> :

<u>I) गोरखपुर परियोजना</u>

क) जून, 2020 तक समग्र एलएसटीके प्रगति 89.1% है।
ख) जुलाई, 2020 के दौरान वृद्धिशील समग्र एलएसटीके प्रगति 1.4% है।
ग) जुलाई, 2020 तक समग्र एलएसटीके प्रगति 90.4% है।

<u>II) बरौनी परियोजना</u>

क) जून, 2020 तक समग्र एलएसटीके प्रगति 79.7% है।
ख) जुलाई, 2020 के दौरान वृद्धिशील समग्र एलएसटीके प्रगति 1.3% है।
ग) जुलाई, 2020 तक समग्र एलएसटीके प्रगति 81.0% है।

<u>III) सिंदरी परियोजना</u>

क) जून, 2020 तक समग्र एलएसटीके प्रगति 79.4% है।

ख) जुलाई, 2020 के दौरान वृद्धिशील समग्र एलएसटीके प्रगति 1.7% है।

ग) जुलाई, 2020 तक समग्र एलएसटीके प्रगति 81.1% है।

- सभी तीनों परियोजनाओं के लिए सभी मुख्य दीर्घावधि मदों का ऑर्डर दे दिया गया है।
- उर्वरक विभाग के दिनांक 30.07.2020 के पत्र के द्वारा एचयूआरएल को 1252 करोड़ रुपये के ब्याज मुक्त ऋण (गोरखपुर, सिंदरी और बरौनी परियोजनाओं के लिए क्रमश: 422.28 करोड़ रुपये, 415.77 करोड़ रुपये और 419.77 करोड़ रुपये) के वितरण के लिए उर्वरक विभाग और एचयूआरएल के बीच निष्पादित होने वाले ऋण करार की एक प्रति एमडी, एचयूआरएल को भेज दी गई है जोकि उर्वरक विभाग द्वारा विधिवत अनुमोदित है एवं जिस पर व्यय विभाग द्वारा सहमति प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त, एचयूआरएल से दो गवाहों के साथ एचयूआरएल की तरफ से करार पर हस्ताक्षर करने के लिए एचयूआरएल बोर्ड द्वारा विधिवत प्राधिकृत किए गए एचयूआरएल के प्रतिनिधि को नियुक्त करने का अनुरोध किया गया है।
- इन परियोजनाओं द्वारा 2021 तक उत्पादन शुरू किए जाने की संभावना है।

5. व्यय की स्थिति:

वित्त वर्ष 2020-21 के लिए उपलब्ध 73939.00 करोड़ रुपये के बजट की तुलना में जुलाई, 2020 के दौरान उर्वरक राजसहायता प्रदान करने पर 5791.28 करोड़ रुपये (यूरिया: 4188.94 करोड़ रुपये, पीएण्डके: 1599.97 करोड़ रुपये, शहरी कम्पोस्ट: 1.17 करोड रु. और डीबीटी व्यावसायिक: 1.20 करोड़ रुपये) व्यय हुए। जुलाई, 2020 तक क्रमिक रूप से 31959.78 करोड़ रु. (पीएंडके उर्वरक: 9386.93 करोड़ रु., शहरी कम्पोस्ट: 13.16 करोड़ रु., यूरिया: 22556.83 करोड़ रु. और डीबीटी व्यावसायिक: 2.86 करोड़ रु.) अर्थात कुल आवंटन का 43.22 % व्यय हुआ।

****